(ग) अधिनियम में हाल ही में संशोधन किया गया है और फिलहाल किसी और परिवर्तन को करने की बात नहीं सोची जा रही है।

t[THE MINISTER OF PARLIA-MENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): (a) The Payment of Bonus (Amendment) Ordinance 1977. has reincluded the employees of Banking Companies and the Industrial Reconstruction Corporation of India within the purview of the Payment of Bonus Act, 1965. Information regarding the number of employees and establishments is not available.

(b) According to the Section 32(iv) of the Act. employees employed by an establishment engaged in any industry carried on by or under the authority of any department of the Central Government or a State Government or a local authority stand excluded. This legal position remains unchanged.

(c) The Act has been amended very recently and no further changes are contemplated for the present.]

टेलीफोन निर्देशिका

302. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री देवेन्द्र नाथ द्विवेदी :
श्री सीताराम केसरी :
श्री भीष्म नारायण सिंह :
श्री भैरव चन्द्र महन्ती :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न टेलीफोन क्षेत्रों की टेलीफोन निर्देशिकाओं के अंग्रेजी संस्करण जो कि अब तक प्रकाशित हो जाने चाहिए थे, के प्रकाशन में देरी के क्या कारण हैं; और

(ख) इनका प्रकाशन समय पर हो यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

Telephone Directories

302. SHRI PRAKASH VEER SHASTRI: SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: SHRI SITARAM KESRI: SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: SHRI BHAIRAB CHANDRA MAHANTI:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what are the reasons for delay in the publication of English edition of the Telephone Directories of different Telephone circles which have become over due; and

(b) what steps Government propose to take to ensure their timely publication ?]

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव सई) : (क) टेलीफोन डाइरेक्टरियों के अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन में विलम्ब के निम्नलिखित कारण रहे हैं :

(i) उपयुक्त कागज की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई में कठिनाइयां; और

(ii) मुद्रकों और विज्ञापन एजेंटों द्वारा किया गया विलम्ब।

(ख) अधिकांश टेलीफोन जिलों और दूरसंचार सर्किलों में डाइरेक्टरियां प्रकाशित कर दी गयी हैं। केवल चार टेलीफोन जिलों और तीन दूरसंचार सर्किलों में इनके प्रकाशन में विलम्ब हुआ है। जहां तक संभव हो सकता है डाइरेक्टरियों के प्रकाशन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का एक निश्चित समय का कार्यक्रम बनाकर और कड़ाई से मानीटर और नियंत्रण करके उनके प्रकाशन में होने वाले विलम्ब को कम किया जा रहा है।

f[]English translation.

48 जी-एस-एम के कागज की सप्लाई प्राप्त करने में कठिनाई होती है इसलिए विभाग ने उसके बदले अब 52 जी-एस-एम के कागज का प्रयोग शुरू कर दिया है। मुद्रकों के साथ बेहतर तालमेल रखने और बेहतर पर्यवेक्षण के लिए डाइरेक्टरियों की छपाई के टेंडर नजदीक पड़ने वाले मुद्रकों से ही मंगाये जाते हैं।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI NARHARI PRASAD SUKHDEO SAI): (a) The main reasons -of delay in publication of English edition of the Telephone directories have been—

(i) difficulsi"s in supply of adequate quantities of suitable paper; and

(ii) delays caused by printers and advertising agents.

(b) In most of the telephone Districts and Telecom. Circles directories have been published. Publication has been delayed only in four Telephone Districts and three Telecom. Circles. As far as possible, delays are curtailed by strict monitoring and control through a time-bound schedule various activities involved in the publication of directories. Because of difficulties in procurement and supply of 48 C.S.M. paper, the Department has now switched over to 52 G.S.M. paper. For better co-ordination and supervision, tenders for printing are limited to neighbourhood printers.]

fQEnglish traslation

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी

303. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री देवेन्द्र नाथ द्विवेदी :
श्री सीताराम केसरी :
श्री भीष्म नारायण सिंह :
श्री भैरव चन्द्र महन्ती :
श्री इब्राहीम कलानिया :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को एक मान्य भाषा बनाने के सरकार के प्रयत्नों के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति क्या है; और

(ख) संयुक्त राष्ट्र के हाल के अधिवेशन में उनके द्वारा हिन्दी में दिये गये भाषण पर अन्य देशों की क्या प्रतिक्रिया रही ?

Hindi in the U.N.O.

301. SHRI PRAKASH VEER SHASTRI: SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: SHRI SITARAM KESRI: SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: SHRI BHAIRAB CHANDRA MAHANTI: SHRI IBRAHIM KALANIYA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the latest position in regard to Government's efforts in making Hindi a recognized language of the U.N.O.;and

(b) what is the reaction of other countries to the speech delivered by him in Hindi at recent Session of United Nations?]

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : (क) संयुक्त राष्ट्र सचिवालय तथा अन्य शिष्टमंडलों के साथ इस विषय में परामर्श जारी है।